ओ बाबा श्याम पलका थारी खोलो जी

ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी,
कन्हैया इक बर मुखड़े से बोलो जी,
ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी……..

भगत दुखी थाने नींदड़ली आवे,
भक्ता रा भीड़ी थाने गाँव बतावे,
शरण तिहारी पलकां खोलो जी,
ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी……

देर करा पथ थारी भी जासी,
दीनानाथ दुनिया हांसी उडासी,
काई छ विचार कुछ तो बोलो जी,
ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी……

लाज बचाने वाले लाज बचाले,
पीछो ना छोडूँ चाहे कितनो सताले,
सेवक टाबर थारो भोलो जी,
ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी……..

आलूसिंह जी ने श्रृंगार सजावे,
केसर चन्दन थारे इतर चढ़ावे,
हिवड़े में अमृत घोलो जी,
ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी……..

ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी,
कन्हैया इक बर मुखड़े से बोलो जी,
ओ बाबा श्याम पलकां थारी खोलो जी…….

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25070/title/oh-baba-shyam-palka-thaari-kholo-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |